Dainik Bhaskar (Indore), 10th August 2026, Page-05

आईआईटी इंदौर में दिशा-3.0 शुरू, स्टार्टअप को मिलेगा सहयोग

इंदौर| आईआईटी इंदौर के इन्क्यूबेशन सेंटर दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन ने डिजिटल हेल्थकेयर क्षेत्र में नवाचारों को बाजार और वास्तविक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचाने के लिए अपने प्रमुख प्रोग्राम दिशा (डेवलपिंग इनोवेशंस फॉर सक्सेसफुल हार्नेसिंग एंड एडॉप्शन) के तीसरे संस्करण की घोषणा की है। इसके तहत शोधकर्ताओं, फैकल्टी, विद्यार्थियों, डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन की अंतिम तारीख 5 सितंबर 2026 है।

इसकी अहम बात यह है कि इस बार अनुसूचित जाति के नेतृत्व वाले स्टार्टअप के लिए विशेष फंडिंग सहायता का प्रावधान किया गया है। दिशा के पहले और दूसरे चरण में 60 से अधिक प्रोजेक्ट और स्टार्टअप को सहयोग दिया जा चुका है। तीसरे चरण में साइबर-फिजिकल सिस्टम आधारित डिजिटल हेल्थकेयर तकनीकों पर विशेष फोकस किया गया है।

कार्यक्रम के तहत चयनित प्रतिभागियों को फंडिंग, विशेषज्ञ मार्गदर्शन, बौद्धिक संपदा और व्यवसायीकरण संबंधी सहायता दी जाएगी। चरक डीटी प्लेटफॉर्म के माध्यम से उत्पादों के परीक्षण और वास्तविक उपयोग में अपने समाधान लागू करने का अवसर भी मिलेगा। बाजार में उत्पाद उतारने और पोर्टफोलियो मैनेजमेंट में भी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

कार्यक्रम का लक्ष्य रिसर्च और लैब में विकसित तकनीकों को केवल प्रोटोटाइप तक सीमित न रखते हुए उन्हें व्यावहारिक, बाजार योग्य और स्वास्थ्य सेवाओं में उपयोगी उत्पादों में बदलना है।

इन तकनीकों पर रहेगा फोकस

- मेडिकल डिवाइस
- पहनने योग्य उपकरण
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स
- रोबोटिक्स
- पॉइंट ऑफ केयर डायग्नोस्टिक
- हेल्थकेयर एनालिटिक्स
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व मशीन लर्निंग